

प्रेषक

ओम प्रकाश,  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
विद्यालयी शिक्षा,  
उत्तराखण्ड, देहरादून।

माध्यमिक शिक्षा अनुभाग-3

देहरादून दिनांक: 17 अक्टूबर, 2008

विषय:- राजीव गाँधी नवोदय विद्यालय, सन्तूधार पौड़ी के भवन निर्माण हेतु धनराशि की स्वीकृति विषयक।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या: 5ख1/25205/रा0गा0न0वि0/2008-09; दिनांक: 22 सितम्बर, 2008 के संबंध में तथा शासनादेश संख्या: 26/XXIV-2/2005; दिनांक: 28, 1.2005 तथा शासनादेश संख्या: 498/XXIV-3/2008/02(150)2005; दिनांक: 28 मार्च, 2008 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय राजीव गांधी नवोदय विद्यालय सन्तूधार, पौड़ी के भवन निर्माण हेतु उ0प्र0 राजकीय निर्माण निगम पौड़ी इकाई के अनुमोदित आगणन की लागत रू0 1313.23 लाख के सापेक्ष पूर्व स्वीकृत धनराशि रू0 1049.25 लाख को समायोजित करते हुए देय अवशेष धनराशि रू0 263.98 लाख (रुपये दो करोड़ तिरसठ लाख अठानवे हजार मात्र) को चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 में प्रश्नगत योजना में शासनादेश संख्या: 657/XXIV-3/2008/02(37)2008; दिनांक: 16 अप्रैल, 2008 द्वारा आपके निवर्तन पर रखी गयी धनराशि रू0 1500.00 लाख में से नियमानुसार व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति निम्न प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान करते हैं:-

- 1)- उक्त कार्य की लागत अब किसी भी दशा में पुनरीक्षण नहीं की जायेगी।
- 2)- आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदन दरों को जो दरें शिड्यूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गयी हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता से अनुमोदन करना आवश्यक होगा।
- 3)- कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी. बिना प्राविधिक स्वीकृति के किसी भी दशा में कार्य प्रारम्भ न किया जाय।
- 4)- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

हार्पि

क्रमशः-2

- (5)- एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।
  - (6)- कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के मददे नजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित कराना सुनिश्चित करें।
  - (7)- कार्य कराने से पूर्व स्थल का भली-भांति निरीक्षण उच्च-अधिकारीयों एवं भूगर्ववेत्ता के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के पश्चात स्थल पर आवश्यकतानुसार एवं प्राप्त निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाय।
  - (8)- आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृति की गई है, उसी मद पर व्यय किया जाय, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।
  - (9)- निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व सामग्री का किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा लिया जाय तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाय।
  - (10)- निर्माण सामग्री की गुणवत्ता के लिये संबंधित निर्माण एंजेन्सी उत्तरदायी होगी। अनुमोदित लागत पर ही निर्माण कार्य को पूरा किया जाय। किसी भी दशा में आगणनों को पुनरीक्षण नहीं किया जायेगा।
  - (11)- निर्माण कार्यों की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति के विवरण प्रत्येक माह की 15 तारीख तक निर्माण संस्था द्वारा विभागाध्यक्ष/संस्था को उपलब्ध कराये जायेंगे।
  - (12)- विभाग निर्माण कार्य की गुणवत्ता/प्रगति की चेकिंग की कार्यों की व्यवस्था थर्ड पार्टी से करायेगें तथा इसका व्यय सेन्टेज चार्टेज में निहित धनराशि से वहन करना होगा।
- 3- निर्माण की गुणवत्ता के लिए कार्यदायी संस्था के संबंधित अभियन्ता उत्तरदायी होंगे।
  - 4- इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या:11 के अधीन लेखाशीर्षक-4202-शिक्षा, खेल-कूद तथा संस्कृति पर पूंजीगत परिव्यय-01-सामान्य शिक्षा-202-माध्यमिक शिक्षा-00-आयोजनागत-16-राजीव गाँधी नवोदय विद्यालय के भवनों का निर्माण-24-वृहद निर्माण कार्य के नामें डाला जायेगा।
  - 5- यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या: 267/XXVII(1)/08; दिनांक: 27मार्च, 2008 द्वारा प्रदत्त निर्देशों के अनुक्रम में निर्गत किये जा रहें हैं।

भवदीय,

(ओम प्रकाश)  
सचिव

अर्थ

क्रमशः-3

संख्या: 1800(1)/XXIV-3/08/02(150) 2005 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- निजी सचिव, मा० मुख्य मंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन।
- 3- निजी सचिव, मा० शिक्षा मंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन।
- 4- निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- आयुक्त, गढ़वाल मण्डल- पौड़ी।
- 6- मण्डलीय अपर शिक्षा निदेशक, गढ़वाल मण्डल - पौड़ी।
- 7- बजट, राजकोषीय नियोजन एवं ससाधन निदेशालय, सचिवालय।
- 8- जिलाधिकारी, पौड़ी।
- 9- कोषाधिकारी, पौड़ी।
- 10- जिला शिक्षा अधिकारी, पौड़ी।
- 11- वित्त विभाग 3/नियोजन प्रणाली।
- 12- एन०आई०सी० सचिवालय परिसर देहरादून।
- 13- कम्प्यूटर सेल (वित्त विभाग), उत्तराखण्ड शासन।
- 14- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(सचिव)

(पी०एल०शाह)  
उप सचिव

सचिव